मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 177, मुंबई, शनिवार, 26 अगस्त, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

मदुरै में ट्रेन के प्राइवेट कोच में आग, 10 की मौत

यूपी के 63 लोगों ने तीर्थयात्रा के लिए बुक किया था, कॉफी बनाते समय सिलेंडर फटा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के प्राइवेट कोच में आग लग गई। शनिवार तड़के हुए हादसे में यूपी के 10 तीर्थ यात्रियों की मौत हो गई। जबकि 20 से ज्यादा झुलस गए हैं। प्राइवेट कोच में यूपी के 63 तीर्थयात्री सफर कर रहे थे। जिस वक्त घटना हुई उस वक्त कोच पुनालूर-मदुरे एक्सप्रेस से जुड़ा था। यह कोच 17 अगस्त को लखनऊ से भारत गौरव एक्सप्रेस से जुड़कर दक्षिण भारत के तीर्थस्थलों के लिए रवाना हुआ था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

शरद पवार का यू टर्न

‘पार्टी में किसी तरह की कोई फूट नहीं है। हालांकि पार्टी के कुछ लोगों ने अलग भूमिका अपना ली है, इसका मतलब यह नहीं है पार्टी में फूट पड़ गई है। अलग निर्णय लेना लोकतंत्र में उनका अधिकार है’

बोले- अजित पवार को मैंने अपना नेता नहीं बताया, भतीजे ने कहा ‘नो कॉमेंट्स’

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में फिलहाल हर तरफ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के टूट की चर्चा हो रही है। इस बीच, एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने अजित पवार को अपना (पार्टी का) नेता बता दिया, जिससे सूबे का सियासी पारा और चढ़ गया। हालांकि जब वरिष्ठ नेता के बयान पर महाविकास आघाडी गठबंधन के सहयोगियों ने ही सवाल उठाना शुरू कर दिए तो कुछ ही घंटों में पवार अपने बयान से पलट गए। (शेष पृष्ठ 3 पर)

साथ आएंगे तो अच्छी बात: प्रफुल्ल पटेल

एनसीपी छोड़कर अजित पवार के साथ जाने वाले प्रफुल्ल पटेल ने शरद पवार के साथ आने को लेकर कहा, मैं उनके बारे में क्या बोलूं, अगर वो हमारे साथ आते हैं तो यह अच्छी बात होगी। कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे ने भी इस पर कहा कि शरद पवार के बयान से ऐसा लग रहा है कि महाराष्ट्र और देश को अजित पवार रिटर्न्स 2 देखने को मिल सकता है। पवार ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है कि मैं बीजेपी के साथ नहीं जाऊंगा। इंडिया के साथ ही रहूंगा। उन्होंने आगे कहा कि अजित पवार और उनके साथी बार-बार जाकर शरद पवार का पैर छूकर आ रहे हैं

महाराष्ट्र: भंडारा में आश्रम स्कूल में 37 छात्रों को हुई फूड पॉइजनिंग

कई की हालत गंभीर

मुंबई हलचल/संवाददाता

भंडारा। महाराष्ट्र के भंडारा जिले से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक आदिवासी आश्रम स्कूल में पढ़ने वाले 37 छात्रों को फूड पॉइजनिंग हो गई। यह घटना तुमसर तालुका के येरली स्थित एक आश्रम स्कूल में घटी। छात्रों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसमें से कुछ छात्रों की हालत गंभीर बनी हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक, आश्रम स्कूल के करीब 37 छात्रों को फूड प्वाइजनिंग हो गई। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई एयरपोर्ट पर विमान में बम है...10 साल के बच्चे ने इमरजेंसी नंबर पर किया फोन

मचा हड़कंप

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमान में बम होने की झूठी कॉल ने सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े कर दिए। हालांकि गहन जांच के बाद यह अफवाह साबित हुई। जांच में पता चला कि महाराष्ट्र के सतारा जिले से एक 10 साल के बच्चे ने यह धमकीभरा फोन किया था। विमान में बम होने की इस कॉल के बाद मुंबई एयरपोर्ट पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल हो गया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि मुंबई पुलिस को शहर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक विमान में बम रखे जाने की कॉल आई। (शेष पृष्ठ 3 पर)

‘मुंबई में है संदिग्ध आतंकी’- कुछ दिन पहले भी आया था कॉल

गंभीर बीमारी से पीड़ित है बच्चा

पुलिस ने जब मामले की छानबीन शुरू की तो फोन करने वाली की लोकेशन मिल गई। अधिकारी ने कहा, फोन नंबर को ट्रैक करने पर पता चला कि यह कॉल सतारा जिले से 10 साल के लड़के ने किया था। सत्यापन के बाद कॉल के फर्जी होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने पाया कि नाबालिग लड़का गंभीर बीमारी से पीड़ित है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने कहा, मामले की जांच जारी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

ट्रम्प रहे जेल हिरासत में

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शुक्रवार को गिरफ्तार हुए और उनको 20 मिनट तक फुल्टन की काउंटी जेल में रहना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति के पिछले चुनाव में धोखाधड़ी और नतीजों को बदलने के प्रयास के आरोप में डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार सुबह फुल्टन काउंटी पुलिस के सामने सरेंडर किया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और फुल्टन काउंटी जेल ले गई। उन्हें पुलिस रिकॉर्ड में कैदी नंबर पी01135809 के रूप में दर्ज किया गया। जेल में ट्रम्प की आरोपी की तरह तस्वीर खींची गई यानी उनका मगशॉट लिया गया। इसके 20 मिनट बाद वो जेल से बाहर आ गए। इसी के साथ ट्रम्प अमेरिका के पहले ऐसे राष्ट्रपति बन गए हैं, जिनका कैदियों की तरह मगशॉट लिया गया। 'सीएनएन' की रिपोर्ट के मुताबिक- ट्रम्प ने रिहाई के पहले शर्तों के साथ दो लाख डॉलर का बॉन्ड भरा। जेल से बाहर आने के बाद ट्रम्प ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा- मैंने कुछ भी गलत नहीं किया। गौरतलब है कि ट्रम्प पर जॉर्जिया में राष्ट्रपति चुनाव नतीजों को पलटने के लिए धोखाधड़ी, धमकी देने और जालसाजी के आरोप हैं। उनके अलावा इस मामले में 18 और लोगों को आरोपी ठहराया गया है। इस मामले में ट्रम्प ने जॉर्जिया के चुनाव अधिकारी ब्रैड रैफेंसपर्गर से दोबारा वोटों की गिनती कराने और अपने को जिताने के लिए जरूरी वोट का बंदोबस्त करने को कहा था। वे राज्य के 16 इलेक्टोरल वोट अपने नाम करना चाहते थे। बहरहाल, अटलांटा में मगशॉट और दूसरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया साइट ट्विटर पर अपना मगशॉट शेयर किया और लिखा- इलेक्शन इंटरफेरेंस, नेवर सरेंडर। ट्रम्प ने 2021 के बाद अब पहली बार ट्विटर पर कोई पोस्ट किया है। बताया जा रहा है कि पुलिस कार्रवाई के दौरान ट्रम्प को एक कमरे में ले जाकर उनके फिंगरप्रिंट्स भी लिए गए। ये डॉक्यूमेंट्स कोर्ट और पुलिस रिकॉर्ड्स का हिस्सा बनेंगे। ट्रम्प के चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज ने भी सरेंडर किया। इस मामले में 15 अगस्त को अटलांटा की कोर्ट ने चार्जशीट जमा की थी। ध्यान रहे पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प पर पांच महीने में चार आपराधिक मामले दर्ज हुए हैं।

ऊधमबाजी से रुआंसा हुआ चंद्रयान

चंद्रयान-3 जितने हौले-से चंद्रमा की सतह पर उतरा, हमारी सत्तारूढ़-मंडली इसकी श्रेय की कलगी जिल्ल-ए-सुब्हानी के साफे पर टांकने को उतने ही जोर से लपकी।दरअसल हमें हर बात पर बस ऊधम मचाना है। रीति-रिवाज पर, धर्म पर, भाषा पर, खानपान पर, गाय पर, चीते पर, राजचिह्न पर, सेंगोल पर, संविधान की धाराओं पर, संसद के निर्माण पर, वंदेभारत रेल पर, प्रगति मैदान की सुरंग पर, सिर्फ. ऊधमी बिगुल बजाना है। छिप-छिपा कर और खुलेआम किए गए अपने हर करतब के बखान की ध्वनि को डेढ़ सौ डेसिबल तक पहुंचाने के लिए जी-जान एक कर देना है। चंद्रयान-3 जितने हौले-से चंद्रमा की सतह पर उतरा, हमारी सत्तारूढ़-मंडली इसकी श्रेय की कलगी जिल्ल-ए-सुब्हानी के साफे पर टांकने को उतने ही जोर से लपकी।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर जितने हौले-से उतरा, हमारी सत्तारूढ़-मंडली इस के समूचे श्रेय की कलगी जिल्ल-ए-सुब्हानी के साफे पर टांकने को उतने ही जोर से लपकी। ताबेदार अपने सुल्तान के मन की बात न जानें तो काहे के ताबेदार? फिर जिल्ल-ए-सुब्हानी स्वयं भी कौन-से संकोची हैं? एक दशक में संसार की सारी रोशनी का किरण-केंद्र उन्होंने जैसे खुद पर कर रखा है, उस की चुधियाहट में कोई और किसी को दिखाई ही कहां दे रहा है? सो, छोटे परदे और अखबार के पन्नों के आधे से ज्यादा हिस्से पर पर हम ने अपने प्रजापालक को पसरे देखा और चंद्रयान बेचारा चंदामामा की गोद में सिकुड़ कर छुप गया।

ब्रिक्स की बेइंतिहा मसरूफियत के बावजूद अपना अमूल्य समय निकाल कर हमारे सुल्तान ने इसरो के प्रमुख श्रीधर पणिक्कर सोमनाथ को याद दिलाया कि उन के तो नाम में ही 'सोम' है, सो, सोमनाथ के होते चंद्रयान भला कैसे चांद पर न उतरता? भगवान शिव के प्रति अपने प्रधानमंत्री के ऐसे भक्तिभाव ने मुझे गदगद कर दिया। विज्ञान की उपलब्धियों को अध्यात्म की छुअन दे कर सोने पर सुहागा करने की जैसी विलक्षण कला नरेंद्र भाई मोदी में है, मैं ने तो किसी और में नहीं देखी। राजा दक्ष प्रजापति के श्राप से मुक्ति पाने के लिए चंद्र देवता ने शिव को अपना स्वामी मान कर पृथ्वी पर जहां तपस्या की थी, वह जगह गुजरात के सौराष्ट्र में है। चंद्र देवता ने शिव से वहां ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थापित होने का आग्रह किया। बारह ज्योतिर्लिंगों में से यही पहला है - सोमनाथ। मैं भी पूरी आस्था से यह बात मानता हूं कि विज्ञान-फिज्ञान अपनी जगह है, मगर अगर ईश्वर साथ न हो तो सफलता नहीं मिलती। इसलिए हमें अपने चंद्रयान अभियान की भावी श्रंखलाओं को भी सफल बनाने के लिए यह ध्यान रखना बेहतर होगा कि इसरो के सभी अगले प्रमुखों के नामों में रुद्र, पशुपति, महेश्वर, वामदेव, शंकर, श्रीकंठ, अंबिकानाथ, गंगाधर, जटाधर, विश्वेश्वर, मृत्युजय जैसे शब्दों का समावेश हो। ऐसा होगा तो चंद्रयानों की झड़ी लग जाएगी।

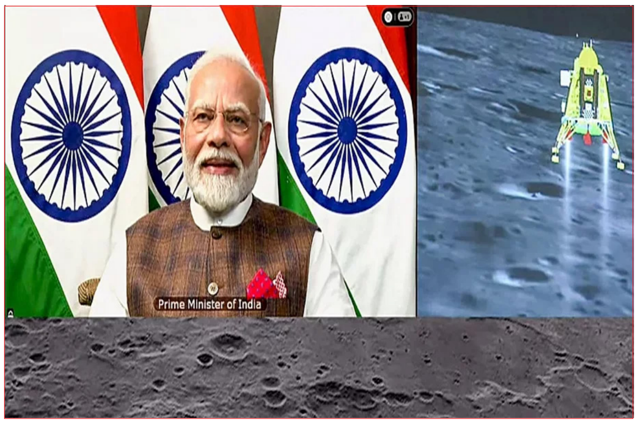

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने अब हमें इतना जागरूक तो बना ही दिया है कि हम जानें भी और मानें भी कि इसरो के अब तक के 89 उपग्रह मिशनों में से 47 का लॉच नरेंद्र भाई मोदी के नौ साल में हुआ है। यानी इसरो की स्थापना के बाद 52 बरस में सिर्फ.42 सैटेलाइट लॉच हुए - हर सवा साल में एक; और, नरेंद्र भाई के राज में हर साल पांच से ज्यादा। नरेंद्र भाई के पहले 13 लोग देश के प्रधानमंत्री बने, पर सब ऊंघते रहे। आप कहते रहिए कि नरेंद्र भाई के आगमन के बाद हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रमों का बजट घटा है, लेकिन सच्चाई तो यही है कि विज्ञान की हमारी दुनिया के भाग्य तो 2014 के बाद ही खुले हैं। कोई समझा हो, न समझा हो, मैं तो साढ़े चार बरस पहले ही समझ गया था कि अब आकाश-जगत में भारत को विश्व-गुरु बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। फरवरी 2019 में जिस दिन प्रधानमंत्री जी ने पाकिस्तानी सरहद में बने आतंकवादी अड्डो पर सर्जिकल स्ट्राइक की तारीख मौसम की खराबी की वजह से बदलने की इजाजत नहीं दी और कहा कि बादल और बरसात हैं तो और भी अच्छा है, क्योंकि पाकिस्तान के राडार हमारे विमानों को पकड़ नहीं पाएंगे; मैं तो उसी दिन से लंबी चादर तान कर निश्चिंत सो रहा हूं। काहे का इसरो? काहे के वैज्ञानिक? चंद्रयान का चांद पर अवतरण हमारे मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व की प्रज्ञा और कौशल की उपलब्धि है। पहले के प्रधानमंत्रियों की तरह अगर नरेंद्र भाई भी तंद्राभिभूत होते तो क्या हम चांद पर उतरने वाला चौथा और उस के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बनते?

आजादी के बाद 1948-49 में भारत सरकार का बजट 197 करोड़ रुपए का था। पंडित जवाहरलाल नेहरू तब कसामुसी के चलते विज्ञान परियोजनाओं के लिए सिर्फ. एक करोड़ 10 लाख रुपए आवंटित कर पाए थे। यानी बजट का तकरीबन आधा प्रतिशत। मगर जब नेहरू के कार्यकाल के आखीर में देश का बजट 1700 करोड़ रुपए हो गया तो विज्ञान परियोजनाओं के लिए उन्होंने 85 करोड़ रुपए रखे। यानी पांच प्रतिशत। एक करोड़ से 85 करोड़ रुपए तक का इजाफा। यह 15 साल में 85 गुना बढ़ोतरी ही हुई न? और, अब हाल क्या है? आज जब देश का बजट करीब साढ़े 39 लाख करोड़ रुपए का है, विज्ञान परियोजनाओं के लिए नरेंद्र भाई ने 14217 करोड़ रुपए दिए हैं। यानी आधा प्रतिशत से भी कम। मगर फिर भी नेहरू विज्ञान को ले कर आलसी थे और नरेंद्र भाई ने विज्ञान परियोजनाओं को ऐसी रफ़्तार दे दी है कि भूतो न भविष्यति। यही बात मैं ने चंद्रयान पर हुई टेलीविजन बहसों में कह दी तो नरेंद्रोन्मुख बहसबाज तो बहसबाज, गिलगिल करने वाले टीवी-सूत्रधार भी शाब्दिक ताडव करने लगे। चंद्रशेखर वेंकट रामन, होमी जहांगीर भाभा, विक्रम साराभाई, हरगाविंद खुराना, सतीश धवन, शांतिस्वरूप भटनागर, एपीजे अब्दुल कलाम, वगैरह आज होते तो विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में हासिल हो रही उपलब्धियों के नाम पर पिछले कुछ वक्त से हो रही सियासत को देख कर अपना सिर पीट रहे होते। ठीक है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति विकास परियोजनाओं को गति देने का प्रमुख घटक है। लेकिन प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य हासिल करने के अदम्य हौसले के लिए अपने वैज्ञानिकों, अपने सैन्यबलों, अपने श्रमिकों, अपने कृषकों, अपने शिक्षाविदों और समाज के समूचे क्षितिज को संभाले बैठे नायक-नायिकाओं के अनुगमन की भावना के बजाय उन के श्रेय में सेंधमारी की नीयत रखना, आप ही बताइए, अक्षम्य है या नहीं? उन के स्वेद-बिंदुओं से स्वयं की सूरत संवारने का सिलसिला समाप्त होना चाहिए या नहीं?

पिछले एक दशक में ऊधमबाजी की बढ़ती प्रवृत्ति ने हमारे सकारात्मक प्रतिफलों के उत्सवों को भी हो-हल्ले में तब्दील कर दिया है। अब हम अपने अर्जन-सृजन के संगीत का आनंद लेने को नहीं थिरकते हैं, लाल रोशनी और नीले धुएं का अंबार लगा कर चिल्लपों में डूबते-उतरते हैं। हमें हर बात पर बस ऊधम मचाना है। रीति-रिवाज पर, धर्म पर, भाषा पर, खानपान पर, गाय पर, चीते पर, राजचिह्न पर, सेंगोल पर, संविधान की धाराओं पर, संसद के निर्माण पर, वंदेभारत रेल पर, प्रगति मैदान की सुरंग पर, सिर्फ. ऊधमी बिगुल बजाना है। छिप-छिपा कर और खुलेआम किए गए अपने हर करतब के बखान की ध्वनि को डेढ़ सौ डेसिबल तक पहुंचाने के लिए जी-जान एक कर देना है। सो, थोड़े दिनों के लिए चंद्रयान का बहाना भी मिल गया। साप्ताहिक आयोजनों के जरिए अपनी प्रजा का दिल बहलाए रखने वाले जिल्ल-ए-सुब्हानी के झोले में काले जादू की पुड़ियाओं का ढेर है। उन के झोले से निकलने वाली अगली

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कलवा खाड़ी के किनारे स्थित अनाधिकृत झोपड़ियों पर ठाणे मनपा प्रशासन द्वारा की गई तोड़क कार्रवाई

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

कलवा। कलवा खाड़ी क्षेत्र में अनाधिकृत झोपड़ियों की संख्या के कारण खाड़ी क्षेत्र के विकास में कई बाधाएं है साथ ही चूंकी खड़ी का किनारा दिन-ब-दिन बहता जा रहा है इसलिए भविष्य में इस स्थान पर बड़ी क्षति होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है इसी पृष्ठभूमि में मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर के आदेश अनुसार आज कलवा खड़ी पर स्थित अनाधिकृत झोपड़ी पर कार्यवाही की गई कलवा में क्रांति नगर के किनारे स्थित और खाड़ी में अवैध रूप से बनी झुग्गियों पर कार्रवाई की गई उत्तर स्थान की झोपड़िया में से 65 से 70 झोपड़ियां आज ध्वस्त कर दी गयी इस कार्रवाई में खाड़ी में नवनिर्मित झोपड़ियों को भी हटा दिया गया उत्तर कार्रवाई जेसीबी पोकलेन की मदद से की गई शंकर मनपा प्रशासन के सकिल 2 के उपायुक्त पटोले पुलिस परिमंडल के उपयुक्त गणेश गावड़े नौपाड़ा कोपरी प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त सोपान भैक , अतिक्रमण, जल आपूर्ति और बिजली विभाग के कर्मचारियों के साथ पुलिस बंदोबस्त में उक्त की गई मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर ने यह भी कहा ठाणे मनपा प्रशासन क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण पर कार्रवाई जारी रहेगी।

लावारिस मुंब्रा शहर के कई मुद्दों को लेकर आंदोलन किंग एमआईएम पार्टी के सैफ पठान के नेतृत्व में निकाली जाएगी पैदल मार्च यात्रा

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा शहर के कई मुद्दों को लेकर एमआईएम पार्टी द्वारा 28 अगस्त सोमवार को एक पैदल मार्च यात्रा शिमला पार्क से सवेरे 11:00 बजे प्रारंभ किया जाएगा और इस पैदल मार्च यात्रा का समापन ठाणे मनपा मुख्यालय पर किया जाएगा इस पैदल मार्च यात्रा को लेकर दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुस समद खान से बात करते हुए एमआईएम पार्टी के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान ने बताया शहर में किसी प्रकार का कोई विकास कार्य नहीं किया गया है किया गया है तो सिर्फ भ्रष्टाचार शहर में हर गली मोहल्ले में कचरो का अंबार लगा है, सरकारी स्कूल बदहाली का शिकार है, ट्रैफिक की समस्या बनी हुई है,सिग्नल सड़कों पर नहीं लगाए गए हैं कई मर्तबा पत्र व्यवहार करने के बाद भी, बच्चों को खेलने के लिए प्लेग्राउंड नहीं है, गार्डन नहीं है, 12 लाख से अधिक जनसंख्या होने के बाद भी शहर में शौचालय तक की सुविधा नहीं है, शौचालय अभी हाल ही में नए बने हैं लेकिन शुरूआत नहीं की गई है,कब्रिस्तान का हेर फेर किया गया, लाइब्रेरी नहीं है,260 करोड़ की लागत लगने के बावजूद भी सरकारी अस्पताल अब तक शुरू नहीं किया गया चार मंजिला बनने वाला सरकारी अस्पताल पहले मंजिले पर ही सिमट गया स्लॉटर हाउस लापता हो गया हज हाउस नजर नहीं आता शादी हाउस दूर-दूर तक दिखाई नहीं देता जनसंख्या

को देखते हुए पुलिस स्टेशन कम से कम दो होना चाहिए लेकिन एक ही है वहां पुलिस बल कम है इस कारण नशे पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लग पा रहा है 120 पुलिसकर्मी मुंब्रा और दिवा की 20 लाख की जनता को कहां तक संभालेंगे वहीं ट्रैफिक विभाग का भी यही हाल है 40 ट्रैफिक पुलिस कर्मी है उनमें भी बढ़ोतरी वर्षों से नहीं की गई पठान ने बताया मित्तल ग्राउंड स्थित 25 एकड़ जमीन जिसमें 15 एकड़ में कॉलेज, डेढ़ एकड़ स्कूल, और साढ़े आठ एकड़ में बच्चों के खेलने के लिए प्लेग्राउंड बन्ना था लेकिन वर्ष 2021 में एनसीपी पार्टी के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष शमीम खान ने 25 एकड़ जमीन को खरीद लिया यह बोलकर की टीएमसी के पास फंड नहीं है काम करने के लिए जबकि उसे वक्त स्थानीय विधायक महाराष्ट्र राज्य के गृह निर्माण मंत्री हुआ करते थे वह चाहते तो फंड ला सकते थे लेकिन अपने लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए ऐसा नहीं किया गया तो इससे समझा जा सकता है की मुंब्रा शहर के साथ में धोखाधड़ी की गई है, सौतेला व्यवहार किया गया है जो सुविधाएं मुंब्रा शहर वासियों को मिलनी चाहिए वह अपने फायदे के लिए नहीं दी गई हर भ्रष्ट नेता द्वारा टीएमसी अधिकारी के साथ मिली भगत करके मुंब्रा शहर वासी का खून चूसा है और अपने आलीशान बंगले और महंगी गाड़ियां खरीद कर जिंदगी ऐश और मौज के साथ गुजार रहे हैं और बच्चा कुछा खून टोरेंट पावर गरीब जनता का चूस रही है पठान ने बताया भ्रष्टाचारी नेता ने यह अनुमान लगाया है की चुनाव के समय मुंब्रा शहर की जनता को 500 रुपए प्रति वोट का देकर वोट खरीद लेंगे और 5 साल शहर में भ्रष्टाचार करेंगे उन्होंने जनता से अनुरोध किया है की 500 रुपए की लालच में अपना कीमती वोट को गलत हाथों में मत जाने दो क्योंकि अगर आपने गलत आदमी को चुन लिया तो वह फिर से आपके शहर का सर्वनाश कर देगा और कुछ नहीं करेगा जो कि अब तक होता आया है उन्होंने शहर की जनता से अनुरोध किया है की एक बार एमआईएम को मौका दें और जो वादे एमआईएम पार्टी द्वारा किए जा रहे हैं चुनकर आने के बाद जरूर पूरे किए जाएंगे अब देखना यह है शहर के मुद्दों को लेकर एमआईएम पार्टी द्वारा पैदल मार्च यात्रा निकाली जा रही है इस यात्रा को और शहर के मुद्दों को मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर कितनी गंभीरता से लेते हैं उसका क्या परिणाम निकल कर आता है यह तो समय ही बताएगा क्योंकि समय बड़ा बलवान है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मदुरै में ट्रेन के प्राइवेट कोच में आग,10 की मौत

मदुरै कलेक्टर एमएस संगीता ने बताया कि कोच में सभी यूपी के तीर्थयात्री थे। इस कोच को मदुरै में दो दिन तक रुकना था। यात्रियों ने आज सुबह कॉफी बनाने के लिए स्टोव जलाया तो सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, आग लगने की सूचना सुबह करीब 5.15 बजे मिली। जब ट्रेन मदुरै यार्ड जंक्शन पर रुकी थी। इसके बाद 5.45 बजे फायर बिग्रेड ने आग बुझाने का काम शुरू किया। सुबह 7:15 बजे आग पर काबू पाया गया। सिर्फ प्राइवेट कोच में ही आग लगी है। दूसरे कोच तक आग फैलने से बचा लिया गया।

मुंबई एयरपोर्ट पर विमान में बम है...

हालांकि बाद में पता चला कि यह फर्जी कॉल थी, जिसे सतारा के 10 वर्षीय लड़के ने किया था। अधिकारी ने बताया कि घटना गुरुवार को हुई। पुलिस अधिकारी ने कहा, मुंबई पुलिस के मुख्य नियंत्रण कक्ष के अधिकारियों को 112 आपातकालीन हेल्पलाइन पर एक कॉल मिली, जिसमें कॉल करने वाले ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक विमान में बम है। कुछ दिन पहले ही पुणे जिले में अमेरिका से आई एक रहस्यमयी कॉल ने सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े कर दिए थे। तब फोन करने वाले ने पुणे पुलिस को मुंबई के संदिग्ध आतंकवादी के बारे में जानकारी दी थी। हालांकि उसने महज यह कहकर कॉल कट कर दिया था कि मुंबई में रहने वाला शख्स आतंकवादी है। जब फोन करने वाले की लोकेशन की जांच की गई तो पता चला कि संबंधित व्यक्ति का कॉल संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) से आया था। हालांकि, उस शख्स ने पुलिस कंट्रोल रूम को ज्यादा जानकारी नहीं दी। शुरूआती तौर पर इसे फर्जी कॉल ही माना जा रहा है। इस मामले की जांच मुंबई पुलिस कर रही है।

भंडारा में आश्रम स्कूल में 37 छात्रों को हुई फूड पॉइजनिंग

खबर है कि चार छात्रों की हालत गंभीर है और बाकी 33 छात्रों की हालत खतरे से बाहर है। विद्यार्थियों को दोपहर के खाने में आलू, मटर, चपाती, वरण और चावल दिया गया था। इसके कुछ देर बाद ही बच्चों के पेट में दर्द होने लगा। कुछ छात्रों को चक्कर आने की शिकायत के साथ उल्टियां होने लगी। बाद में छात्रों की परेशानी बढ़ने पर उन्हें तुमसर के उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिस आदिवासी आश्रम स्कूल में यह घटना हुई, वहां बारहवीं कक्षा तक के छात्र पढ़ते हैं। बताया जाता है कि विद्यालय में करीब 325 विद्यार्थी आवासीय शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इनमें से 11 से 17 वर्ष की आयु के 36 छात्रों को उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शरद पवार का यू टर्न!

एनसीपी के संस्थापक शरद पवार ने भतीजे अजित को लेकर आज सुबह ही बारामती में बड़ा बयान दिया। जिसने महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मचा दी। पवार ने कहा था, अजित पवार हमारे नेता हैं, कुछ लोगों ने अलग निर्णय लिया है तो इसका मतलब यह नहीं है कि पार्टी में विभाजन हो गया है। शरद पवार ने बारामती में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बयान देकर सबको चौंका दिया। महज पांच घंटे बाद ही शरद पवार ने यू-टर्न लेते हुए कहा कि उन्होंने अजित दादा को अपना नेता नहीं कहा है। आज दोपहर में सतारा में पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार ने कहा, मैंने यह नहीं कहा है कि अजित पवार हमारे नेता हैं। इस दौरान उन्होंने अपनी सांसद बेटी सुप्रिया सुले के बयान पर भी सफाई दी और कहा, सुप्रिया अजित की छोटी बहन हैं। अगर बहन-भाई के रिश्ते में सहजता से कोई बात कहीं जाती है तो उसका राजनीतिक मतलब निकालने की जरूरत नहीं है। एनसीपी के दिग्गज नेता शरद पवार आज कोल्हापुर दौरे पर हैं। बारामती से सतारा पहुंचने के बाद शरद पवार ने पत्रकारों से बात की। जब उनसे सुप्रिया सुले के बयान 'अजित पवार हमारे नेता हैं' पर सवाल पूछा गया तो एनसीपी प्रमुख ने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि अजित पवार हमारे नेता हैं। सुप्रिया सुले ने कहा था वे भाई-बहन की तरह हैं और इसके पीछे कोई राजनीतिक मतलब तलाशने की जरूरत नहीं है। मैंने यह नहीं कहा कि अजित पवार हमारे नेता हैं।

शिल डायगर पुलिस स्टेशन की अंतर्गत नशेड़ी चोरों द्वारा दिया जा रहा है चोरी जैसे संगीन वारदात को अंजाम

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

शिल डायगर। शहर में बढ़ता नशे का प्रक्रोप के कारण शहर में चोरी की और खूनी वारदातें बढ़ती जा रही है जिस पर पुलिस को नशे पर और नशे के सौदागरों पर प्रतिबंध लगाना पुलिस के लिए चुनौती बनती जा रही है आपको बताते चले शहर भर में नशेड़ियों ने आतंक मचा रखा है जहां पर आए दिन चोरी चकारी की वारदातें सुनने को मिलती है ऐसा ही एक चोरी का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में मिली जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता मोहम्मद अयूब गुलहसन चौधरी वर्ष 55 व्यवसाय भंगार खरीदना बेचना रहवासी कौसा मुंब्रा के बताए जा रहे हैं कल्याण फटा परिसर के अभय नगर कैलाश गैरेज के बाजू में इनका गोडाउन है गत 23 अगस्त बुधवार शाम 6:00 बजे से लेकर 24 अगस्त गुरुवार शाम 7:00 बजे के दरमियान अज्ञात चोरों द्वारा गोडाउन का शटर तोड़कर उसमें से वायर बंडल विंडो एसी बैटरी लोखंड के तमाम माल मुद्दा लेकर फरार हो गए चोरी किए गए माल की कुल कीमत 3,00,000/-रुपए बताई जा रही है शिकायतकर्ता की शिकायत के बाद अज्ञात आरोपी के विरुद्ध में शिल डायगर पुलिस स्टेशन द्वारा गुं:रजिं:नं: 338/2023 भारतीय दंड संहिता की धारा 454,457,380 के तहत मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश सरगर्मी से शिल डायगर पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है आगे इस मामले की पूरी छानबीन पुलिस हवलदार काबंळे द्वारा की जा रही है।

बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल कमीशन अध्यक्षपूर्व मुख्यमंत्री की मनाई गई जयंती

हाफिज नियामत/मछलीशहर स्थानीय नगर के कृपा शंकर नगर वार्ड स्थित तेज बहादुर सेवा अस्पताल पर डा तेज बहादुर यादव पिछड़ा दलित विकास महासंघ के राष्ट्रीय सचिव के अध्यक्षता में आज बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल कमीशन अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री की धूम धाम से मनाई गई जयंती। बताते चले बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल एक भारतीय राजनेता थे जो भारतीय संसद के सदस्य, बिहार के मुख्यमंत्री और मंडल आयोग (अन्य पिछड़ा वर्ग) के निमार्ता व अध्यक्ष रहे। बीपी मंडल का जन्म 25 अगस्त 1918 को बनारस में हुआ था। वे जाने-माने अधिवक्ता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय रासबिहारी मंडल व श्रीमती स्वर्गीय सीतावती मंडल की सातवीं संतान थे। इनका बचपन बिहार राज्य के मधेपुरा के मुरहो गांव में बीता। ये एक जमींदार परिवार से नाता रखते थे। बात करते हुए डॉक्टर तेज बहादुर यादव ने बताया कि बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल का जीवन संघर्ष मय में रहा। उन्होंने दलितों पिछड़ों अल्पसंख्यक के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। इसी क्रम में सैकड़ो लोगों ने जयंती समारोह में उपस्थित होकर पुष्प अर्पित कर धूमधाम से जयंती मनाई इस मौके पर जगन्नाथ यादव जिला अध्यक्ष, मेवा लाल गौतम कोषाध्यक्ष ,सूर्यकांत मौर्य, हरीनाथ यादव अध्यापक, विजय सरोज जिला पंचायत सदस्य, अमरनाथ यादव,प्रदीप यादव, राजेश यादव, अख्तर अली, धर्मात्मा मुलायम, प्रमोद प्रजापति,मदन यादव, डीके यादव, सुरेंद्र यादव, डा मनोज यादव, प्रमोद यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

मां धर्मा देवी फाउण्डेशन ट्रस्ट के तत्वाधान में दिव्यांग बच्चों का नि:शुल्क बाल कटिंग आयोजन किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान हर्षिता इंटरनेशनल दिव्यांग स्कूल एवं प्रशिक्षण केंद्र बक्सा में मां धर्मा देवी फाउण्डेशन ट्रस्ट के तत्वाधान मे दिव्यांग बच्चों का निशुल्क बाल कटिंग महीने में दो बार करने का लिया संकल्प ।मां धर्मा देवी फाउण्डेशन ट्रस्ट के संस्थापक सुरेश कुमार शर्मा, के द्वारा बताया गया कि हमारी संस्था दिव्यांग जनों की सेवा गरीब मजलूमों की सहायता व सामाजिक कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती है। हमारे संस्था के द्वारा अनेको कार्य समय-समय पर किए जाते हैं चाहे वह वृक्षारोपण रहा हो या किसी गरीब की मदद करना हो या फिर दिव्यांग बच्चों के बाल कटिंग का कार्य हो हमारी संस्था ऐसे कार्यों में हमेशा तत्पर रहती है। इसी क्रम में आज इस विद्यालय के सभी दिव्यांग बच्चों का हेयर ड्रेसिंग का कार्य हमारी संस्था द्वारा किया जा रहा है ।और जो अनवरत हर महीने में दो बार आकर निशुल्क किया जाएगा। विद्यालय के प्रबंधक विनोद कुमार माली ने मां धर्मा देवी फाउण्डेशन ट्रस्ट व इसके संस्थापक सुरेश कुमार शर्मा की काफी सराहना करते हुए कहा कि आज पूरे देश में हर संस्था कुछ न कुछ कार्य करती है। पर जो कार्य आज मां धर्मा देवी फाउण्डेशन ट्रस्ट के नेतृत्व में जो किया जा रहा है। वह कोई अन्य संस्था नहीं कर सकती है। हर्षिता इन्टरनेशल दिव्यांग स्कूल के संरक्षक डॉ प्रमोद माली जी ने मां धर्मा देवी फाउण्डेशन ट्रस्ट का बहुत-बहुत आभार प्रकट किया। इस मौके पर पत्रकार एकता संघ के वाराणसी मंडल अध्यक्ष राजेश गौतम, प्रबंधक विनोद कुमार माली एवं डॉ प्रमोद सैनी जिला अध्यक्ष स्पेशल ओलंपिक भारत, मनोज कुमार माली, राम अवतार माली, सोनम यादव, नंदनी विश्वकर्मा, रुबीना, मंजू प्रजापति, मनोज शर्मा,सुरज पत्रकार एवं संस्था के तमाम पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार, अन्याय, शोषण और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष के लिए आम आदमी पार्टी का समर्थन करें - व्यास

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान भ्रष्टाचार अन्याय शोषण अत्याचार के खिलाफ लड़ने के लिए आम आदमी के हितों की सुरक्षा के लिए आंदोलन से उपजी आम आदमी पार्टी देशभर में लोक सरोकार से जुड़ कर आम आदमी की उम्मीदों भावनाओ आकांक्षाओं पर खरी उतरने के लिए प्रयासरत है। राजस्थान में भी 77 साल में कांग्रेस और बीजेपी ने जनता की आधारभूत आवश्यकताओं तक को पूरा नहीं किया है। स्कूल, कॉलेज, विश्व विद्यालय, अस्पताल बदतर स्थिति में है। राज्य की सड़के खस्ताहाल है। आम आदमी के काम दलालों के माध्यम से ही होते है। पुलिस अनुसंधान नहीं करती केवल बिचौलिए की भूमिका में राजीनामे करवा कर चांदी काट रही है। अपराधी भय मुक्त है। फरियादी भयभीत है। नकल उद्योग पल रहा है। किसान, दस्तकार, प्रवासी श्रमिक, महिलाएं, बेरोजगार दिहाड़ी श्रमिक दुखी है। सत्ता बदलने का आम आदमी आतुर है। आम आदमी पार्टी ही राजस्थान में मजबूत प्रभावी प्रमाणिक जिम्मेदार विकल्प देगी। बीजेपी तो केवल जाति धर्म क्षेत्र के नाम से लड़ता सकती है। राजस्थान को कानून का राज चाहिए, न की हिटलर शाही, बुलडोजर राज। आम आदमी पार्टी भीलवाड़ा राजस्थान सचिव एडवोकेट प्रहलाद राय व्यास ने संवाद कार्यक्रम में उक्त दृष्टिकोण व्यक्त किया। उक्त जानकारी आम आदमी पार्टी के जिला सचिव एडवोकेट प्रहलाद राय व्यास ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

चन्द्रयान 3 की सफल लैंडिंग पर इंडियन पब्लिक राइट्स कमिटी ने जोगेश्वरी पूर्व में बांटे मिठाई

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। भारत के चंद्रयान-3 ने इतिहास रचते हुए चांद के साउथ पोल पर सफल लैंडिंग की है। ऐसा करने वाला भारत पहला देश बन गया है। इस सफलता पर देश में जश्न का माहौल है। इस खुशी के मौके पर इंडियन पब्लिक राइट्स कमिटी, (आई.पी.आर.सी) के नेशनल प्रेसिडेंट मुबारक अटपले और उन्न कि टीम ने आज जोगेश्वरी (ईस्ट) मे लोगों को मिठाई तकसीम किया और टीम इसरो को इस इतिहासिक जीत के लिए शुबकामनाएं दी। इस कार्यक्रम मे ऐ. एस. खान, रऊफ शाब्दि, रफीक बैग, गुलाम मुस्तुफा, मुनवर अंसारी, फारूक खान, फिरोज हुसैन शैख, जाकिर हुसैन, गौसउद्दीन शैख, हनीफ अंसारी, इमरान शैख, जावेद शैख, प्रिया सोनी, अदनान शैख, रज्जाक शैख, समीर शैख और मोहम्मद काशिफ भी शामिल हुए और हिंदुस्तान की तरक्की के लिए प्रार्थना भी कि। आखिर मे मुबारक अटपले ने बेहतरीन शायरी के साथ कार्यक्रम को समाप्त किया।

जिस मिट्टी सें मोहब्बत है हमें,
वह मिट्टी हिंदुस्तान की है

अपने इश्क को कागज पर क्या बयान करे हम,
हमारी जान कर्जदार हिंदुस्तान की है...
चीर कर बादलों का सीना जिस ने रखा है चाँद पर कदम
वह कुछ और नहीं, चन्द्रयान 3 हिंदुस्तान का है।

बड़ाखेड़ा में मांगट जी महाराज मंदिर पर भव्य जागरण हुआ

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान टाडगढ उपखंड क्षेत्र के बडाखेडा में मांगट जी महाराज मंदिर पर भव्य रात्रि जागरण कार्यक्रम गुरुवार द्वितीय श्रावण शुक्ल अष्टमी को हुआ जिसमें श्रद्धालु दूर दराज से मन्दिर में दर्शन हेतु कोटा, झालावाड़, जहाजपुर, अजमेर तिलोरा, शिवपुर, करनोस तथा समस्त भालिया आदि से श्रद्धालुओं ने पदयात्रा कर बड़ाखेड़ा मन्दिर पहुंचे। मांगट जी महाराज के जागरण कार्यक्रम की प्रस्तुति अंबिका म्यूजिकल ग्रुप भीलवाड़ा पुरण भारती, धनराज, माया गुजरी, महेंद्र सिंह आदि ने रात्रि जागरण कार्यक्रम में भजन कीर्तन किया। भाजपा युवा नेता महेंद्र सिंह रावत का बड़ाखेड़ा नवयुवक मंडल द्वारा बड़ाखेड़ा चोराया से मांगट जी महाराज के जागरण स्थल तक डीजे पर गाजे बाजे के साथ ले जाया गया। कार्यक्रम की प्रस्तुति के बाद महेंद्र सिंह रावत ने मन्दिर स्थल पर पीने के पानी हेतु एक लाख 21 हजार रूपए से आरो और वाटर कूलर लगाने की घोषणा की। इस कार्यक्रम में मांगट देव विकास समिति के अध्यक्ष देवराज जैन ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया तथा विधायक शंकर सिंह रावत से मेला स्थल पर चारदीवारी लगाने की मांग की। इस कार्यक्रम में ब्यावर भाजपा युवा नेता महेंद्र सिंह रावत, गोपी चंद मीणा विधायक जहाजपुर, प्रधान गणपत सिंह, सरपंच पृथ्वीपाल सिंह, राम सिंह सरपंच बनजारी, कमल सिंह, तिलोक सिंह,मिट्ठू सिंह, मोट सिंह खंगार सिंह, किशन सिंह, राम सिंह, शंकर सिंह, हस्तीमल जैन आदि मौजूद रहे ।मंच संचालन श्री तिलोक सिंह और बसंत सिंह मेला संयोजक ने किया। उक्त जानकारी प्रिंस शेखर सिंह ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

वन बुलढाणा मिशन का आयोजन, भारत गणेशपुरे लेगे संदीप शेळकें की मुलाकात

मुंबई हलचल/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। जिले के समग्र विकास के लक्ष्य के साथ काम कर रहे वन बुलढाणा मिशन की ओर से रविवार 27 अगस्त को 'जाहिरनामा जयमस्चा' पहल का शुभारंभ समारोह आयोजित किया गया है। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे चिखली रोड स्थित आराध्या लॉन में होगा। इस मौके पर मशहूर कॉमेडियन भरत गणेशपुरे राजर्षि साहू परिवार के अध्यक्ष संदीपदादा शेलके का इंटरव्यू लेने वाले हैं। बुलढाणा जिला कई वर्षों से विदर्भ के सबसे पिछड़े जिले के रूप में जाना जाता है। लेकिन इतने सालों बाद भी जिले की ये पहचान नहीं बदली है। इसके लिए नागरिकों को आगे आने की जरूरत है। इसी उद्देश्य से राजर्षि शाहू परिवार के अध्यक्ष संदीपदादा शेलके ने 'वन बुलडाणा मिशन' आंदोलन शुरू किया है। यह जन आंदोलन इस लक्ष्य को लेकर काम कर रहा है कि सिर्फ एक क्षेत्र का नहीं बल्कि जिले का समग्र विकास हो। जिले के विकास के लिए योजना तैयार की गयी है। जन घोषणापत्र इस पहल के तहत जिले के सभी स्तरों के नागरिकों तक पहुंचने और जिले के विकास के संबंध में उनके विचारों, सुझावों और अवधारणाओं को समझने का काम किया गया है। कृषि, उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यटन, महिला सशक्तिकरण, संचार जैसे सभी क्षेत्रों में विकास के अनुरूप नागरिकों के सुझाव मांगे जाएंगे। संदीपदादा शेलके ने कहा कि वे संबंधित सुझाव एकत्रित कर निकट भविष्य में जिले के विकास की योजना तैयार करेंगे।

अब्दुल रफीक खान को उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया

मुंबई हलचल/संवाददाता

शहडोल। सोहागपुर तहसील कार्यालय कर्मचारी मिलनसार मधुर भाषी श्री अब्दुल रफीक खान वार्ड नंबर 3 सोहागपुर जिला शहडोल मध्य प्रदेश को 15 अगस्त 2023 को गांधी स्टेडियम शहडोल में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य हेतु कलेक्टर वंदना वैद्य जी द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। अब्दुल रफीक खान अपने दायित्व का पालन अपनी पूरी कर्तव्य निष्ठा के साथ करते हैं समय-समय पर दिये हुए कार्यों को अपनी ईमानदारी से करना और समय पर निपटाना। इस अवसर पर गणेश प्रसाद यादव मनोज कुमार मिश्रा यासीन खान ताबीर खान पंकज कुमार मिश्रा आदि उनके इष्ट मित्रों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पुलिस उपयुक्त ने कार्यालय में की जनसुनवाई

मुंबई हलचल /संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त गंगानगर अभिषेक भारती एवं सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया द्वारा शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

आईपीएस संजय सिंह का विदाई समारोह संपन्न हुआ

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान दिल्ली पुलिस मित्रा फ'उंडेशन ट्रस्ट (रजि.) के द्वारा वाईएमसीए सभागार में दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त (लाइसेंसिंग एंड लीगल) संजय सिंह के विदाई समारोह को लेकर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया ।इस कार्यक्रम में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज हित में किए जाने वाले असाधारण कार्यों के लिए दिल्ली पुलिस कर्मियों, पत्रकारों और समाज सेवियों को अवार्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त संजय सिंह, एस एस मट्ठू,जॉइंट डायरेक्टर राज्य सभा, अंजना पंवार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग भारत सरकार, डॉ मनोज सिन्हा प्रिंसीपल डायरेक्टर मैक्स अस्पताल और सुल्तान सिंह, अध्यक्ष अखिल भारतीय महा पंचायत हरियाणा थे। इस अवसर पर ऑल इंडिया मीडिया क्लब (रजि) के राष्ट्रीय महासचिव वरिष्ठ पत्रकार मनोज टंडन को पत्रकारिता के क्षेत्र उनके किए गए कार्य और कर्तव्य निष्ठा को देखते हुए अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन भी वरिष्ठ पत्रकार मनोज टंडन ने किया। इस अवसर पर दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त (लाइसेंसिंग एंड लीगल) संजय सिंह ने कहा कि पत्रकार भी घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचते हैं और कई बार पुलिस भी इनसे इनपुट लेती हैं। पुलिस मित्रा फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस और पत्रकार समाज में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए जाने जाते हैं। जहां पुलिस अपनी जान पर खेलकर लोगों की सुरक्षा करती हैं। वहीं पत्रकार भी अपने समाचारों और सूचनाओं के माध्यम से समाज की दशा और दिशा तय करने में सहायक बनते हैं। इस अवसर पर कर्मवीर सम्मान से दिल्ली पुलिस के हैड कांस्टेबल अमित कुमार लाठिया, हैड कांस्टेबल थान सिंह और संदीप साही, एसीपी (रिटायर्ड)प्रवीन तुली, हैड कांस्टेबल राहुल पाठक, हैड कांस्टेबल मुकेश कुमार अनमोल और सिंगर कॉप अजीत, एएसआई बिजेंद्र सिंह और थाना सब्जी मंडी के एसएचओ इंस्पेक्टर राम मनोहर मिश्रा को दिया गया।

वहीं कलम के सिपाही अवार्ड से वरिष्ठ पत्रकार राकेश रावत, समेत कई पत्रकारों को सम्मानित किया गया। वहीं अपने अपने क्षेत्र में विशिष्ट कार्य के लिए डॉ सुषमा, देवेंद्र, त्यागी, शबनम खान डॉ तानिया चौहान समेत कई हस्तियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजन मखीजा, पुनीत चौहान, प्रदीप, सोनू, रेखा चौहान,मीनू मखीजा, रेखा चौहान, पूजा चौहान का विशेष सहयोग रहा। उक्त जानकारी वरिष्ठ पत्रकार एम. क्यू. मलिक ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

दैनिक मुंबई हलचल
जरुरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

9वीं सदी का इतिहास समेटे है आभानेरी चांद बावड़ी

ज्यादातर लोगों को घूमने-फिरने के साथ किसी जगह से जुड़ा इतिहास जानने का भी बड़ा शौक होता है। अगर आप भी उन लोगों में से एक हैं, तो हम आपको राजस्थान की आभानेरी चांद बावड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका इतिहास 9वीं सदी से जुड़ा हुआ है। 9वीं शताब्दी में निर्मित इस बावड़ी का निर्माण राजा मिहिर भोज (जिन्हें कि चांद नाम से भी जाना जाता था) ने करवाया था, और उन्हीं के नाम पर इस बावड़ी का नाम चांद बावड़ी पड़ा।

दुनिया की सबसे गहरी यह बावड़ी चारों ओर से लगभग 35 मीटर चौड़ी है तथा इस बावड़ी में ऊपर से नीचे तक पक्की सीढ़ियां बनी हुई हैं, जिससे पानी का स्तर चाहे कितना ही हो, आसानी से भरा जा सकता है। 13 मंजिला यह बावडी 100 फीट से भी ज्यादा गहरी है, जिसमें भूलभुलैया के रूप में 3500 सीढियां (अनुमानित) हैं। बावड़ी निर्माण के बारे में कहा जाता है कि इस बावड़ी का निर्माण भूत-प्रेतों द्वारा किया गया और इसे इतना गहरा इसलिए बनाया गया कि इसमें यदि कोई वस्तु गिर भी जाये, तो उसे वापस पाना असम्भव है।

बावड़ी के पास ही है ये कुंड घूमना न भूलें

नगर सागर कुंड में दो जुड़वां सीढ़ीदार कुंए हैं, जो चौहान दरवाजे के बाहर स्थित हैं। इसका निर्माण बूंदी के लोगों के लिए सूखे के दौरान पानी के लिए कराया गया था। यह अपने चिनाई के काम के लिए प्रसिद्ध है।

कैसे पहुंचे : आप राजस्थान के अलवर से आभानेरी चांद बावली पहुंच सकते हैं। आपको बड़ी आसानी से अलवर के लिए ट्रेन या बस मिल जाएगी। फ्लाइट से आने के लिए आपको जयपुर एयरपोर्ट पहुंचना पड़ेगा। यहां से बस, ट्रैक्सी की मदद से यहां पहुंचा जा सकता है।

खास जगह देखना न भूलें इन्हें

बावड़ी वाटर हार्वेस्टिंग का खूबसूरत नमूना है।

यह धरोहर देश की सबसे बड़ी और गहरी बावड़ी में शुमार है।

यहां के राजा चांद ने 8वीं सदी में इसे बनवाया था।

घूमने के लिए सबसे बेस्ट टाइम : फरवरी से जुलाई

पकड़े गए बहुमूल्य छिपकली के तस्कर करोड़ों में बिकती है एक

हाल ही में सशस्त्र सीमा बल यानि एसएसबी के जवानों ने बिहार के किशनगंज इलाके में एक दुर्लभ प्रजाति की छिपकली के अंतरराष्ट्रीय तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस छिपकली की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों में बताई जा रही है। बताते हैं कि एक-एक छिपकली 1-1 करोड़ की बिक रही है। ऐसा क्यों है इस बारे में एसएसबी की मानें तो विलुप्त होने के खतरे से जूझ रही इस छिपकली के मांस और पाउडर का उपयोग पुरुषों की शारीरक क्षमता बढ़ाने के साथ ही कैंसर, रक्तचाप को नियंत्रित करने और मधुमेह की मात्रा को कम करने की दवा बनाने के काम में लाया जा सकता है। हालाकि ये कितना सही है इस बारे में कहना थोड़ा कठिन है। इसी विश्वास के चलते ये बहुमूल्य बताई जा रही है। टोको प्रजाति की इस छिपकली का निर्यात खड़ी देशों में भी किया जाता है।

पता चला है कि सशस्त्र सीमा बल की 41वीं बटालिन के जवान पश्चिम बंगाल से सटे नक्सलवाड़ी थाना क्षेत्र के इलाके में गश्त कर रहे थे। तभी एसएसबी बटालियन के कमांडेंट राजीव राणा ने दो संदिग्ध लोगों को देखा। कमांडेंट ने जब दोनों को आवाज दी तो वह भागने लगे, इस पर दोनों को जवानों ने दौड़ कर पकड़ लिया। पहले तो उन्होंने इधर उधर की बातें की, लेकिन कमांडेंट राणा ने जब कड़ाई से पूछा तो वे टूट गए और सच उगल दिया। सच्चाई जान कर एसएसबी के के अधिकारियों में सनसनी फैल गई। दोनों तस्करों के पास से दुर्लभ प्रजाति की ये छिपकली भी बरामद हुई।

गर्मियों में इन 5 झीलों में बोटिंग लगेगी और भी मजेदार, जानें क्या है यहां खास

अगर आप घूमने-फिरने के शौकीन लोगों से पूछेंगे कि उन्हें कैसी जगह जाना पसंद है, तो इनमें से कई लोग कहेंगे कि उन्हें पहाड़ पसंद है, तो कुछ लोगों को झील, झरने भी पसंद होंगे।

अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जिन्हें झील या नदी में बोटिंग करने का मजा आता है, तो हम आपको बता रहे हैं दुनिया की सबसे खूबसूरत झीलों के बारे में।

श्रीनगर, डल झील

श्रीनगर में बसी इस झील में आप बोटिंग के साथ खूबसूरत नजारों का मजा ले सकते हैं। यहां पूरे साल टूरिस्ट घूमने आते हैं।

सिक्किम, गुरुडोंगमार झील

बर्फ के पहाड़ों से ढके इस शहर की झीलों का पानी शीशे की तरह साफ होता है। यहां की खूबसूरत हर किसी का मन मोह लेती है।

उदयपुर, पिछोला झील

राजस्थान के उदयपुर की खूबसूरती में चार चांद लगाने वाली इस झील में दो द्वीप है। महाराणा उदय सिंह द्वारा बनाई गई इस झील का नजारा दूर से भी बेहद खूबसूरत लगता है।

मणिपुर, लोकटक झील

इस झील को भारत की सबसे मीठे पानी की झील माना जाता है। इस झील में लोग छोटे-छोटे द्वीप बनाकर कर रहते हैं।

कुमारकोम, वेम्बानाड झील

भारत की सबसे लंबी और केरल की बड़ी झीलों मानी जाने वाली लेक आप बोटिंग ही नहीं, बल्कि यहां घंटों बैठ सकते हैं।

पापा ने डांटा तो बेटा पांच मंजिल ऊंची खिड़की के शेड पर जा कर सो गया

बेटे को डांटना पड़ा मंहगा इन दिनों सोशल मीडिया पर चीन का एक वीडियो जम कर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में लगभग 12 साल का एक बच्चा एक इमारत की खिड़की के छज्जे पर सोता नजर आ रहा है। देख कर ही समझ आ जाता है कि ये खिड़की काफी ऊपर वाली मंजिल की है। बाद पता भी चला कि ये इमारत की पांचवी मंजिल पर बनी खिड़की है। सूत्रों की माने तो बच्चे ने ऐसा अपने पिता की डांट सुनने के बाद अपनी नाराजगी जताने के लिए किया था। हालाकि बच्चा सुरक्षित है पर उसका

रवैया वाकई चौंकाने वाला है।

देर तक सोने पर पड़ी थी डांट

आप इस बच्चे की हरकत पर हैरान तो उसने जिस बात पर डांट खाई थी और जिसके बाद ये हरकत की वो जान कर तो बिलकुल ही झटका खा जायेंगे। आमतौर पर माता पिता बच्चों को देर तक सोने पर डांटते हैं, पता चला है कि इस बच्चे के पिता ने भी इसी बात के लिए उसे टोका था और गुस्से से उठने के लिए कहा था। बच्चे को पापा की डांट इतनी बुरी लगी कि वो घर से निकल कर इमारत की पांचवी मंजिल की खिड़की से बाहर निकल गया और जा कर उसके शेड पर जाकर लेट गया।

अगनिशमन दल ने की मदद

हालाकि काफी देर लेटे रहने के बाद जब बच्चा उठा तो खुद ही अपनी स्थिति देख कर सहम गया। वहीं माता पिता भी सदमे में आ गए। जिसके बाद अगनिशमन दल के लोगों को बच्चे की रक्षा के लिए बुलाया गया जिन्होंने सावधानी पूर्वक बच्चे को वहां से उतारा। ये घटना पिछले सप्ताह बुधवार की बताई जा रही है और कहा जा रहा है कि ये चीन के गुईझोउ प्रांत के झियांगकोऊ काउंटी में हुआ था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चेहरे से लेकर बालों तक की प्रॉब्लम को दूर करता है पुदीना, यूं करें इस्तेमाल

पुदीने के पत्तों का इस्तेमाल खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि इससे आप कई ब्यूटी प्रॉब्लम को भी दूर कर सकते हैं। एनाल्जेसिक, एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर पुदीने का इस्तेमाल गर्मियों में होने वाली स्किन से लेकर बालों तक की समस्याओं को दूर करने में मददगार होता है। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह पुदीने का इस्तेमाल करके आप बालों से लेकर चेहरे तक की परेशानियों को दूर कर सकते हैं।

1. ब्लैकहैड्स से छुटकारा
पुदीने के पत्तों का इस्तेमाल आप ब्लैकहैड्स से छुटकारा पाने के लिए भी कर सकते हैं। इसके लिए पुदीने के पत्तों और चुटकीभर हल्दी को पानी में उबाल लें। अब इसे चेहरे पर लगाकर स्क्रब की तरह यूज करें। हफ्ते में कम से कम 2 बार इसका इस्तेमाल करें।

2. मुहांसे और डार्क स्पॉट
पुदीने के पत्ते में मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण चेहरे के डार्क स्पॉट और झाइयों को भी मिटाते हैं। पुदीने के कुछ पत्तों को पीसकर चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए लगाएं और कुछ देर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। रोज दिन में 1 बार इसका इस्तेमाल मुहांसे-डार्क स्पॉट के साथ काले घेरों को भी दूर करता है।

3. झुर्रियों से छुटकारा
पुदीने से चेहरे के फ्री रेडिकल्स हट जाते हैं, जिससे आप ज्यादा उम्रदराज नहीं दिखते। इसके लिए पुदीने की पत्तियों को पीसकर उसमें एक चुटकी हल्दी पाउडर और थोड़ा गुलाबजल मिक्स करके चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं। इसके बाद चेहरे को धो लें और सुखा लें।

4. गर्मियों में रैशेज से राहत
गर्मियों में पसीने के कारण अक्सर स्किन रैशेज और खुजली की समस्या आम देखने को मिलती है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप पुदीने की पत्तियों को पीसकर गर्दन से लेकर चेहरे पर लगाएं और कुछ देर बाद ठंडे पानी से धो लें। इससे आपको रैशेज और खुजली की समस्या से राहत मिलेगी।

5. झड़ते बालों की समस्या
झड़ते बालों की प्रॉब्लम को दूर करने के लिए यह सबसे सही और नेचुरल तरीका है। हेयरफॉल को रोकने के लिए इसकी पत्तियों को पानी में उबालकर स्कैल्प पर लगाकर मसाज करें। 10 मिनट बाद बालों को नार्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम 3 बार इसका इस्तेमाल हेयरफॉल की समस्या को कुछ समय में ही दूर कर देगा।

6. ड्राई स्कैल्प
पुदीने का तेल ड्राई स्कैल्प के लिए सबसे अच्छा मॉइश्चराइजर है। इसका इस्तेमाल बालों में नमी को बरकरार रखता है और ड्राई स्कैल्प की परेशानी को दूर करता है। इसके लिए पुदीने के तेल में बादाम का तेल मिक्स करके स्कैलप पर लगाएं और आधे घंटे के लिए ढक कर रखें और फिर बाल धो लें। इससे बालों को पोषण मिलेगा और स्कैल्प पर नमी बनी रहेगी।

Step by Step लगाएंगे आईलैशज तो नहीं होगी कोई परेशानी

पलकें जितनी लंबी हो आंखे और चेहरा उतना ही खूबसूरत दिखता है। कुछ लड़कियों की पलकें छोटी होने के कारण वह खूबसूरत दिखने के लिए नकली पलको का इस्तेमाल करती है। इसे लगाने के बाद आंखों की शेप बढ़िया दिखती है। अगर आपकी छोटी पलकें खूबसूरती घटा रही है तो आप नकली यानि फेक पलकें का इस्तेमाल करें। आज हम आज हम आपको इसे लगाने का तरीका बताएंगे, जिसके बाद आप बड़ी आसानी से इसे यूज कर सकेंगी और चेहरे को नई लुक मिलेगी।

1. ट्रिम करें
पलकें लंबी होने पर इसे अपनी आंखों के साइज के हिसाब से काट लें। इसे काटते हुए ध्यान रहें कि पलको का आखिरी हिस्सा बाहर की ओर निकला हुआ होना चाहिए। इससे पलकें भरी हुई और कर्ली दिखती है।

2. इस तरह लगाए ग्लू
नकली पलको पर ग्लू लगाना आसान नहीं होता। इसलिए इसे लगाने के लिए ग्लू को अपनी उंगल पर लगाएं और फिर उस पर पलको को थोड़ी देर तक दबाएं। जिससे उस पर ग्लू बड़ी आसानी से लग जाएगा।

3. चिमटी का करें इस्तेमाल
अब इसे लगाने के लिए चिमटी का इस्तेमाल करें। धीरे से पलको को पकड़े और आंखों पर लगाएं। जब यह सही जगह पर आ जाए तब इसे उंगली से चिपका दें। ध्यान रहे इसे ज्यादा जोर से न दबाएं, नहीं तो यह चिपकने की बजाए बाहर निकल आएगी। फिर उंगली को धीरे से हटाएं।

4. मस्कारा लगाएं
मस्कारा लगाने से नकली आइलैश असली वाली पलकों से जुड़ जाएगी। इससे पलकें ज्यादा घनी और लंबी दिखेंगी। मस्कारा लगाने के बाद पलको को दोबारा प्रेस करें।

5. आइलाइनर
नकली पलकें लगाने पर आंखों के नीचे थोड़ी-सी खाली जगह बच जाएगी, जिस पर आप आइलाइनर लगा कर भर सकती हैं।

चक्कर आने की समस्या से राहत दिलाएंगे ये घरेलू उपाय

कई बार लगातार बैठे रहने के बाद एकदम खड़े होने पर आखों के सामने अंधेरा आना और चीजे घूमती हुई महसूस होने लगती है। इस समस्या को चक्कर आना कहते हैं। इसके होने का कारण शरीरिक कमजोरी या फिर मस्तिष्क में बल्ड सकुर्लेशन कम होना हो सकता है। कई बार यह स्थिति लो-ब्लडप्रेशर के कारण भी होती है। गर्मियों में कम पानी पीने पर भी चक्कर आने लगते हैं जिससे राहत पाने के लिए आप घरेलू चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

1. आंवला
आंवले में विटामिन ए और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जिससे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और चक्कर आने की समस्या से राहत मिलती है। इसे प्रयोग में लाने के लिए दो आंवले को पीस कर पेस्ट बना लें। फिर इसमें 2 चम्मच धनिए के बीज और 1 कप पानी मिला कर रात भर ऐसे ही रख दें। फिर अगली सुबह उठ कर छान कर इसके पानी के पीएं।

2. शहद

चक्कर आने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए शहद काफी कारगार उपाय है। इसे इस्तेमाल करने के लिए 2 चम्मच शहद में 2 चम्मच सेब का सिरका मिलाएं और फिर इस मिश्रण को 1 गिलास पानी में मिला कर पीएं।

3. नींबू
नींबू में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह शरीर को बहुत सारे रोगों से बचा कर रखता है और शरीर को हाईड्रेट करने में मदद करता है। चक्कर आने के समस्या होने पर आधे नींबू को 1 गिलास पानी में निचोड़े और फिर इसमें 2 चम्मच चीनी मिलाकर पीएं। इसके अलावा 1 चम्मच नींबू के रस में काली मिर्च और नमक मिलाएं और फिर इसे 1 गिलास पानी में मिला कर पीएं।

4. अधिक मात्रा में पानी पीएं
चक्कर आने का आम कारण डीहाईड्रेशन भी है। कई बार व्यायाम के दौरान पानी न पीने के कारण भी चक्कर आने लगते हैं। इसलिए दिन अधिक से अधिक पानी पीएं। इसके अलावा फलों का जूस बना कर भी पी सकते हैं।

मोटापा तेजी से करना है कम तो रोजाना पीएं ये 4 Detox Drink

जल्दी वजन कम करने के उपाय : बढ़ते हुए मोटापे का असर पर्सनैलिटी के साथ स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। मोटापे बढ़ने के साथ-साथ कई बीमारियों का खतरा और भी बढ़ जाता है। कुछ लोग मोटापे से छुटकारा पाने के लिए वर्कआउट, डाइटिंग या दवाइयों का इस्तेमाल करते है जिससे शरीर को और भी नुकसान पहुंचता है।

1. खीरे का जूस
1 खीरे, 1/2 नींबू, 1 टेबलस्पून अदरक, धनिया और 1/3 कप पानी मिलाकर ब्लैंड कर लें। इसे रात को भोजन करने के बाद सोने से पहले इसे पीने से 1 महीने में ही आपका वजन कम हो जाएगा।

2. खीरे और नींबू का रस
विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेटरी के गुणों से भरपूर खीरा और नींबू का रस मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है, जिससे फैट बर्न होता है। इस डिटॉक्स ड्रिंक को बनाने के लिए 1/2 नींबू कू स्लाइस, 1/4 खीरे की स्लाइस काट लें। 1 गिलास पानी में नींबू और खीरे की स्लाइस डालकर कुछ देर ठंडा होने के लिए रख दें। इसक बाद रात को सोने से पहले इसे पीएं। रोजाना इसका सेवन कुछ समय में ही आपका मोटापा कम कर देगा।

3. खीरा और पुदीना
इसके लिए 1 नींबू की स्लाइस, 5 इंच खीरे की स्लाइस, 5 पुदीने की पत्तियां और 2 कप बर्फ को 1 गिलास पानी में डाल दें। भोजन के बाद इसका रोजाना सेवन आपका मोटापा घटाने में मदद करेगा।

4. खीरे और अदरक का जूस
1 चम्मच अदरक, 1 खीरे, 1 नींबू, 1 चम्मच एलोवेरा जूस, और पुदीने की पत्तियों को पीसकर 1 गिलास पानी में डाल लें। रोजाना भोजन करने के बाद इसका सेवन करें। यह जूस वजन तो कम करेगा ही साथ ही बॉडी को भी डिटॉक्स करेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर